वर्ष: 11 - अंक : 263, मुंबई, गुरुवार, 9 दिसंबर, 2021 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

मूल्य 1 रु.

दैनिक
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

नहीं रहे देश के पहले सीडीएस

जनरल बिपिन रावत का HELICOPTER CRASH

चेन्नई/दिल्ली। आखिरकार बुरी खबर आ ही गई है। जनरल बिपिन रावत नहीं रहे। वे देश के पहले चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ, यानी सीडीएस थे। तमिलनाडु के कुन्नूर में बुधवार दोपहर करीब 12 बजकर 20 मिनट पर उनका हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया था। उसमें जनरल रावत की पत्नी मधुलिका रावत समेत सेना के 14 लोग सवार थे। इस हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है, जबकि एक गंभीर रूप से घायल है।

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

हादसे में बचने वाले अकेले शख्स ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह

बिपिन रावत और उनकी पत्नी मधुलिका समेत 13 लोगों की मौत

मोदी बोले- रावत सच्चे देशभक्त, उनके जाने का गहरा दुख

सीडीएस रावत के निधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दुख जाहिर किया है। मोदी ने ट्वीट में लिखा– जनरल रावत बेमिसाल सैनिक थे। सच्चे देशभक्त थे और उन्होंने हमारी सेनाओं के मॉर्डनाइजेशन के लिए योगदान दिया। उनके जाने से मुझे गहरा दुख हुआ है। देश उनकी असाधारण सेवा को कभी नहीं भूलेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा– रावत का असमय निधन देश और सेना के लिए कभी पूरी न हो पाने वाली क्षति है।

खराब मौसम, कम विजिबिलिटी बनी हादसे की वजह, घने जंगल से क्रैश लैंडिंग भी रही फेल

पिंपरी चिंचवाड़ पुलिस ने की बड़ी बरामदगी

1 करोड़ 10 लाख कीमत की व्हेल की उल्टी के साथ दो लोग गिरफ्तार

कूरियर से की जा रही थी तस्करी

मुंबई हलचल / संवाददाता

पुणे। पुणे से सटे पिंपरी चिंचवाड़ में बुधवार को पुलिस ने व्हेल मछली की करोड़ों की उल्टी के साथ दो लोगों को अरेस्ट किया है। यह एक कूरियर के माध्यम से पिंपरी चिंचवाड़ आई थी। इसे गैरकानूनी ढंग से बेचे जाने की जानकारी पिंपरी चिंचवाड़ पुलिस को मिली थी, जिसके बाद क्राइम ब्रांच यूनिट एक ने कूरियर ऑफिस में छापा मारा और दो लोगों को अरेस्ट किया। इस मामले से जुड़ा एक अन्य शख्स अभी फरार है।

(समाचार पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र के एक और मंत्री रडार पर

ईडी ने प्राजक्त तनपुरे से की लंबी पूछताछ, किरीट सोमैया ने कहा–देशमुख की तरह यह भी होंगे सलाखों के पीछे

मुंबई। महाविकास आघाडी सरकार में नगर विकास राज्यमंत्री प्राजक्त तनपुरे से मंगलवार को तकरीबन 6 घंटे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पूछताछ की। महाराष्ट्र राज्य को-आपरेटिव बैंक घोटाला मामले में तनपुरे से जांच एजेंसी पूछताछ कर रही है। (समाचार पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

भारत-रूस दोस्ती

भारत-रूस 21वीं सालाना शिखर बैठक के लिए राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का दिल्ली आना स्पष्ट करता है कि मास्को की निगाह में भारत की क्या अहमियत है। रूसी राष्ट्रपति ने भारत को यूं ही एक परखा हुआ मित्र नहीं कहा है, इस मित्रता ने पांच दशकों का अडिग सफर तय किया है। 9 अगस्त, 1971 को तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी व सोवियत नेता लियोनिड ब्रेझनेव ने इसकी नींव रखी थी और यह साल-दर-साल पुख्ता होती गई। यहां तक कि सोवियत संघ के विघटन के बाद भी जब दुनिया एकध्रुवीय हुई, उस दौर में भी नई दिल्ली और मास्को ने आपसी रिश्तों की चमक फीकी नहीं पड़ने दी और दोनों देशों की उत्तरोतर सरकारों ने अपने तमाम व्यावहारिक तकाजों को पूरा करते हुए और देशहित में नए रिश्तों को बुनते हुए एक-दूसरे की भावनाओं का हमेशा ख्याल रखा। इसमें कोई दोराय नहीं कि पिछले दशक में अमेरिका, खासकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल और उनकी नीतियों के कारण वैश्विक मंचों पर वाशिंगटन की आभा मलिन पड़ी, तो वहीं चीन का प्रभाव बढ़ा। मगर साथ ही कई विकासशील देशों की चिंताएं गहराने लगीं, क्योंकि बीजिंग की विस्तारवादी भौगोलिक-आर्थिक नीतियों से ये मुल्क अपने लिए खतरा महसूस करने लगे। गलवान घाटी में हमने चीनी दुस्साहस का बदतर रूप तो देखा ही, संयुक्त राष्ट्र में इस्लामाबाद प्रायोजित प्रस्तावों को बार-बार उसे आगे बढ़ाते हुए भी देखा। और इन सभी मौकों पर रूस ने खुलकर भारत का साथ दिया। गौरतलब है कि अमेरिका के विरुद्ध रूस और चीन के संबंधों में अपेक्षाकृत नजदीकी बढ़ने के बावजूद मास्को हमारे हक में मजबूती से खड़ा रहा है। रूस जानता है कि भारत भी मित्रता निभाने में उससे पीछे नहीं है। मात्र छह घंटे की रूसी राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान 28 समझौतों पर हुए हस्ताक्षर भी दोनों देशों के मजबूत संबंध की कहानी कहते हैं। खासकर रक्षा क्षेत्र में दोनों देशों के रिश्ते की मजबूती का अंदाजा इस बात से चल जाता है कि एस-400 मिसाइल प्रणाली के सौदे को लेकर अमेरिका, चीन, तुर्की सहित कई देशों की नाखुशी को दोनों देशों ने महत्व नहीं दिया। हालांकि, तालिबान के मामले में रूस शुरूआत में भ्रम का शिकार रहा और ऐसा लगा कि वह तालिबान सरकार को मान्यता देने को तैयार बैठा है, लेकिन जब भारत ने अपनी चिंताएं उसके सामने रखीं, तो मास्को ने अपनी अफगान नीति पर गौर किया। आज दोनों देशों की काबुल से एक ही मांग है कि तालिबान हुकूमत पहले समावेशी सरकार गठित करे और अपनी धरती से पड़ोसी देशों में आतंकवाद के निर्यात को रोकने की प्रतिबद्धता दिखाए। कश्मीर में पाकिस्तानी कुचक्र को तोड़ने के लिए अफगानिस्तान पर रूस का दबाव असरदार साबित हो सकता है। चीन और पाकिस्तान की कुटिल दोस्ती को देखते हुए अफगानिस्तान मामले में हमें मास्को के साथ की दरकार रहेगी। बल्कि चीन के साथ रिश्तों में आई खटास को दूर करने में भी रूसी सहयोग महत्वपूर्ण है। इसी तरह, वैश्विक मंचों पर अपने महत्व को फिर से हासिल करने के लिए रूस को हमारे साथ की जरूरत है। भारत दुनिया का एक विशाल और प्रतिष्ठित लोकतंत्र तो है ही, बड़ी अर्थव्यवस्था भी है, इसे कोई दरगुजर नहीं कर सकता।

ऑनलाइन गेमिंग का भी नियमन हो

डिजिटल तकनीक जीवन के हर क्षेत्र में गहरी पैठ बना चुकी है... इसलिए लत को रोक पाना नियमन और कराधान भर से ही संभव नहीं है...

क्रिप्टोकरेंसी पर कानूनी पहल की चर्चा के बीच ऑनलाइन गेमिंग के नियमन और कराधान पर बहस हो रही है। कुछ दिन पहले राज्यसभा में भाजपा सांसद सुशील कुमार मोदी ने यह मसला उठाया था और उपराष्ट्रपति-सह-सभापति एम वेंकैया नायडू ने भी उनकी चिंता से सहमति जताते हुए सरकार को इसका संज्ञान लेने को कहा था। इस संदर्भ में सबसे पहले यह रेखांकित करना जरूरी है कि नियमन और कराधान दो अलग-अलग क्षेत्र हैं और उन्हें एक साथ रखकर नहीं देखा जाना चाहिए।

जिस प्रकार से व्यापक डिजिटल नियमन का होना आवश्यक है, उसी तरह ऑनलाइन गेमिंग का नियमन भी किया जाना चाहिए। विभिन्न ऑनलाइन गतिविधियों और सेवाओं की तरह इसका भी विस्तार हो रहा है।

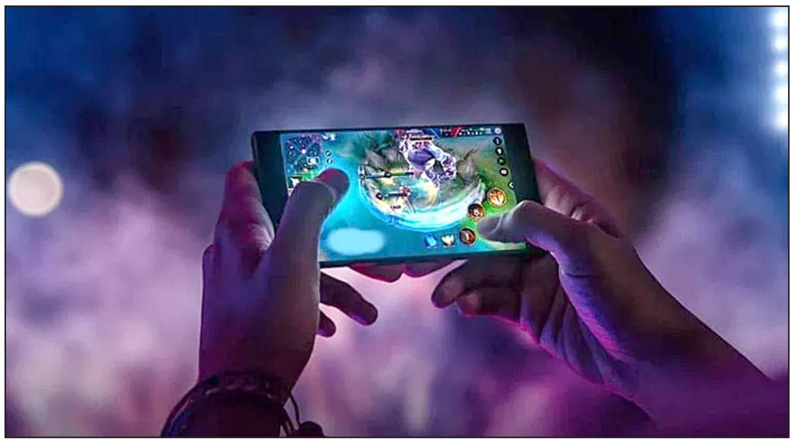

जहां तक ऐसे खेलों का सवाल है, जिनमें भागीदारी करने के लिए न तो खेलनेवाले को कोई राशि देनी पड़ती है और न ही ऐसे गेमिंग पोर्टल से कोई पुरस्कार हासिल होता है, वहां कराधान का मामला आसान नहीं है। यदि उस खेल में अश्लीलता है, उससे हिंसा या किसी समाज विरोधी प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलता है या देश के कानूनों का उल्लंघन किया जाता है, तो इनकी रोकथाम के लिए पहले से ही वैधानिक प्रावधान हैं।

इन प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने की दिशा में ठोस प्रयास होने चाहिए। खेल के ऐसे चिंताजनक आयामों को कराधान से नियंत्रित या प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता है। ऑनलाइन गेमिंग भले ही अपेक्षाकृत नया क्षेत्र है, लेकिन वीडियो गेमिंग तो बड़े शहरी क्षेत्रों में लगभग तीन दशक से खेली जाती रही है और धीरे-धीरे उसका विस्तार छोटे शहरों और कस्बों तक होता गया। उसके आर्थिक और सामाजिक प्रभाव को लेकर भी लंबे समय से चर्चा होती रही है। इस पृष्ठभूमि में ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण करना मुश्किल काम नहीं हैं।

ऑनलाइन गेमिंग की लत से निपटने का मसला एक गंभीर विषय है और इसे काबू में करना आसान नहीं है क्योंकि इंटरनेट पर तमाम गतिविधियों और उसके इस्तेमाल को लेकर भी ऐसी चिंताएं हैं। डिजिटल तकनीक हमारे जीवन के हर क्षेत्र में गहरे तक पैठ बना चुकी है। इसलिए लत को रोक पाना नियमन कर देने और कर लगा देने भर से ही संभव नहीं है।

इसके लिए बड़े पैमाने पर जागरूकता का प्रसार किया जाना चाहिए ताकि लोग संयमित ढंग से ऑनलाइन खेलों में भागीदारी करें और उसकी लत की चपेट में न आयें। हमने पहले पबजी, ब्लू व्हेल जैसे बेहद हिंसक खेलों के असर को देखा है। ऐसे कई खेलों पर पाबंदी लगानी पड़ी। लेकिन समूचे गेमिंग के साथ ऐसा नहीं किया जा सकता है। इंटरनेट की गतिविधियों पर बड़े पैमाने पर पाबंदी लगा पाना संभव भी नहीं है।

एक खेल को रोका जायेगा या उस पर बड़ा कर लगाया जायेगा, तो कोई और गेमिंग पोर्टल या एप आ जायेगा और यह सिलसिला चलता रहेगा। नियमन के स्तर पर यह हो सकता है कि मौजूदा कानूनों को ठीक से लागू किया जाये और उनमें जरूरत के मुताबिक संशोधन किये जायें। इस क्रम में यह भी उल्लिखित करना जरूरी है कि सिक्किम, गोवा, नागालैंड, मेघालय आदि कुछ राज्यों में ऑनलाइन खेलों पर नियंत्रण रखने के कानून हैं। इसी तरह लॉटरी से जुड़े वैधानिक प्रावधान भी हैं। उनके अनुभवों के आधार पर संशोधन करने या नये कानून बनाने का काम किया जा सकता है।

ऑनलाइन खेलों को आम तौर पर दो श्रेणियों में बांटा जाता है- एक, जिनमें कौशल की जरूरत होती है और दूसरे, जिनमें संयोग से फैसला होता है, जैसे- रमी, पोकर आदि। यदि हम इनके लिए एक या दो तरह के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाते हैं, तो उसका निर्धारण करना आसान नहीं है क्योंकि दोनों तरह के खेलों में लोग पैसा लगाते हैं और जीतने की आशा करते हैं।

इन खेलों के कारोबार में लगी कंपनियों को खेलनेवाले के पंजीकरण शुल्क से कमाई होती है। उस कमाई पर आयकर समेत अन्य कराधान व्यवस्थाएं पहले से हैं। उसमें यह देखा जाना चाहिए कि कंपनियां ठीक से अपना टैक्स भरें। ऐसा न करने पर दंडित करने के कानून भी अस्तित्व में हैं।

संयोग के आधार पर जीते जानेवाले खेलों से खिलाड़ी को मिलनेवाली राशि पर भी टैक्स लगाया जाता है। ऐसा नहीं है कि उसे पूरी राशि मिलती है। उदाहरण के तौर पर, अगर किसी को लॉटरी से एक लाख रुपये मिलते हैं, तो उसे एक ठीक-ठाक हिस्सा कर के रूप में चुकाना पड़ता है। इन व्यवस्थाओं का दायरा बढ़ाकर ऑनलाइन खेलों पर लागू किया जा सकता है। डिजिटल लेन-देन होने से भुगतान को छिपाना अब बेहद मुश्किल है।

दो माह पहले ऐसी खबरें आयी थीं कि सरकार इन खेलों की श्रेणी के आधार पर 18 और 28 फीसदी जीएसटी लगाने पर विचार कर रही है। उम्मीद है कि जीएसटी काउंसिल इस संबध में जल्दी ही किसी ठोस फैसले पर पहुंचेगी। गेमिंग के कारोबारी मौजूदा 18 फीसदी दर को जारी रखने की पैरोकारी कर रहे हैं।

जो भी फैसला हो, बहुत सोच-विचार कर लिया जाना चाहिए। गेमिंग ही नहीं, समूचे डिजिटल कारोबार और उसके कराधान की ठीक से समीक्षा जरूरी है। कंपनियां कानूनी खामियों का भी फायदा उठाती हैं, जिसका नकारात्मक असर कर संग्रहण पर होता है। इसे रोका जाना चाहिए। गेमिंग की लत निश्चित ही चिंताजनक है और इस संबंध में समाजशास्त्रियों और मनोचिकित्सकों की राय पर गौर किया जाना चाहिए।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस. खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर,एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, **फोन:9619102478 /9821238815** email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस. खान**,
समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

टोरेंट कंपनी के खुले एलटी केबल से हो सकती है बड़ी दुर्घटना

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। अपने आप को उच्चतम दर्जे की सर्विस बताने वाली टोरेंट कंपनी किस कदर लापरवाही भरा मामला सामने आ रहा है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी ने इस बात की शिकायत टोरेंट कंपनी से की कादर पैलेस स्थित में टोरेंट कंपनी द्वारा एलटी केबल खुले छोड़े गए हैं जिससे बहुत बड़ी दुर्घटना का सामना स्थानिक रहिवासी को करना पड़ सकता है समाज सेवक जोएब ने बताया यह एलटी केबल जो टोरेंट कंपनी द्वारा खुले छोड़े गए हैं दरअसल इसके ऊपर कॉपर की जैकेटिंग की जानी चाहिए और इस एलटी केबल को जमीन की नीचे साडे 3.5 फुट दबाना चाहिए जबकि टोरेंट कंपनी ने इस एलटी केबल को खुला हुआ जमीन के ऊपर 3 फुट छोड़ा हुआ है और कई जगह पर इस एलटी केबल को 4 से 5 इंच जमीन में दबाकर रोड पर ब्रेकर बना दिया है और आसपास दुकान और बाथरूम भी बने हुए हैं इससे कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है यही नहीं कई जगह पर टोरेंट कंपनी के फीडर बॉक्स खुले पड़े हुए हैं जिससे कभी भी दुर्घटना घट सकती है और जान के भी लाले पड़ सकते हैं हालांकि इससे पहले टोरेंट कंपनी की लापरवाही से जाने भी जा चुकी हैं मैंने इसकी शिकायत ट्वीट कर की है परंतु मुझे जवाब में एक फोन नंबर दिया गया और कहां इस पर संपर्क करें और मैं लगातार इस नंबर पर संपर्क करता रहा हूं 20 दिन हो गए अब तक कोई भी टोरेंट कंपनी का कर्मचारी नहीं आया अगर खुले एलटी केबल बस्ट हो जाने से कोई अकाल्पनिक दुर्घटना हो जाती है या जानी नुकसान हो जाता है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा उन्होंने निवेदन किया है टोरेंट कंपनी को जल्द से जल्द खुले एलटी केबल को जमीन के अंदर खोदकर डालें और यही नहीं अगर इसी तरह के खुले एलटी केबल मुंब्रा कलवा परिसर में कहीं पर भी हो उसे तुरंत जमीन के अंदर डाला जाए यह आप से निवेदन है अब देखना यह है क्या टोरेंट कंपनी कादर पैलेस में खुले एलटी केबल को जमीन के अंदर खोदकर डालती है या नहीं या कोई दुर्घटना होने का इंतजार करती है यह देखने वाली बात होगी।

कलवा मुंब्रा के विधायक तथा राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड की बेटी बंधी विवाह के पवित्र बंधन में

संवाददाता/समद खान

ठाणे। गत 7 दिसंबर मंगलवार दोपहर 1:00 बजे कलवा मुंब्रा की विधायक तथा राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र आव्हाड की बेटी नताशा अवार्ड का विवाह एलेन पटेल के साथ विशेष विवाह पद्धति से संपन्न हुआ इस मौके पर जितेंद्र आव्हाड ने बताया कि मैंने मेरी बेटी की खुशी के लिए उसने मुझसे जैसा कहा मैंने वैसा किया मैंने बाप का फर्ज अदा किया ना कि मैं यहां पर एक मंत्री विधायक नहीं रहते हुए सिर्फ एक पिता के तौर पर अपनी बेटी को रुखसत किया उनकी आंखों से आंसू बहते हुए नजर आए हालांकि यह विवाह बहुत ही सादगी तरीके से किया गया उसमें मां रुता आव्हाड और पिता ने सबके साथ मिलकर अपना आशीर्वाद देकर अपनी बेटी को विदा किया। गौरतलब बात यह है कि मंत्री जितेंद्र आव्हाड चाहते तो अपनी बेटी का विवाह शानो शौकत से कर सकते थे लेकिन महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर फैल रहे करोना संक्रमण ओमिक्रॉन को देखते हुए उन्होंने अपनी एकलौती बेटी नताशा की सादगी से विवाह करने का निर्णय लिया।

महाराष्ट्र के हर जिले में स्थापित होंगे कॉल सेंटर, 98 लाख से ज्यादा लोगों को नहीं लगी वैक्सीन की दूसरी डोज

मुंबई। राज्य में वर्तमान समय में 98 लाख से ज्यादा ऐसे लोग हैं, जिन्होंने वैक्सीन की दूसरी डोज नहीं ली है। ऐसे लोगों को वैक्सीनेशन सेंटर तक लाने के लिए राज्य सरकार जिला स्तर पर 'दस्तक ऑन फोन्स' कॉल सेंटर शुरू करने जा रही है। इसमें काम करने वाले कर्मचारियों द्वारा संबंधित व्यक्ति को कॉल कर उन्हें वैक्सीन लेने के लिए रिमाइंडर दिया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, अब तक कुल 98 लाख 12 हजार 887 से वैक्सीन की दूसरी डोज मिस हो गई है। इस संबंध में अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. प्रदीप व्यास ने सभी जिलाधिकारियों, महानगरपालिका आयुक्तों, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, विभागीय आयुक्तों को पत्र लिख है। पत्र में उल्लेख है कि देश में 50 फीसदी लोगों का डबल डोज पूरा हो गया, जबकि राज्य में अब भी 46.49 फीसदी ने ही डबल डोज लिया है। यह आंकड़े बताते हैं कि हम राज्य के औसत आंकड़े से भी पीछे हैं। डॉ. प्रदीप व्यास ने आगे लिखा कि पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर दो जिलों में शुरू किए कॉल सेंटर से हमें काफी अच्छा रिस्पांस मिला है। इसलिए कॉल सेंटर या फिर अन्य माध्यम के जरिए दूसरा डोज मिस करने वालों तक पहुंचे। राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. सचिन देसाई ने बताया कि कई जिलों ने अपने स्तर पर कॉल सेंटर स्थापित कर लिए हैं, तो कुछ में काम जारी है। इन कॉल सेंटर में मौजूद कर्मचारियों को उन लोगों की सूची दी जाएगी, जिन्होंने दूसरा डोज नहीं लिया है।

पुणे, मुंबई, ठाणे, कोल्हापुर, नागपुर में अधिक डिफॉल्टर

राज्य में दूसरा डोज मिस करनेवाले सबसे अधिक लोग पुणे, मुंबई, कोल्हापुर, ठाणे और नागपुर जिले के हैं। इन 5 जिलों में 36 लाख 16 हजार 324 ने दूसरी डोज की डेडलाइन मिस कर दी है। यानी दूसरी डोज मिस करनेवाले कुल लोगों में से 37 फीसदी लोग उक्त 5 जिले से हैं।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

नहीं रहे देश के पहले सीडीएस

पहले ये खबर आई कि हादसे में घायल हुए कुछ लोगों को गंभीर हालत में वेलिंगटन के मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया। जहां से करीब साढ़े पांच घंटे तक खबर आती रही कि जनरल रावत और उनकी पत्नी समेत कुछ अफसर बुरी तरह घायल हुए हैं, लेकिन फिर बारी-बारी से मौत की खबर आने लगी। शाम तक ये खबर आई कि हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई है। सिर्फ एक व्यक्ति जिंदा है, जो पुरुष है। इसके बाद कयास लगाए जाते रहे कि ये जनरल रावत ही हैं, लेकिन देर शाम सबसे बुरी खबर आई कि जनरल रावत नहीं रहे। उनकी पत्नी मधुलिका की भी मौत हो गई। हेलिकॉप्टर क्रैश में अकेले बचने वाले शख्स हैं ग्रुप कैप्टन वरुण सिंह। उनकी बॉडी इस हादसे में बुरी तरह झुलस गई है। वे वेलिंगटन के मिलिट्री अस्पताल में भर्ती हैं। पिछले साल तेजस फाइटर जेट उड़ाते वक्त उन्हें बड़ी तकनीकी दिक्कत का सामना करना पड़ा था। उन्होंने साहस नहीं खोया और विमान को सुरक्षित लैंड कराया। इसके लिए उन्होंने शौर्य चक्र से नवाजा गया था। हादसे का शिकार हुए Mi-17 V5 हेलिकॉप्टर में जनरल रावत, उनकी पत्नी के अलावा 12 लोग और थे। चॉपर में ब्रिगेडियर एलएस लिद्दर, लेफ्टिनेंट कर्नल हरजिंदर सिंह, नायक गुरसेवक सिंह, नायक जितेंद्र कुमार, लांस नायक विवेक कुमार, लांस नायक बी. साई तेजा और हवलदार सतपाल सवार थे। 5 और लोगों के नाम सामने आने बाकी हैं। चश्मदीदों के मुताबिक हादसे से पहले बहुत तेज आवाज सुनाई दी। हेलिकॉप्टर पहले पेड़ों पर गिरा। इसके बाद उसमें आग लग गई, वो आग का गोला बन गया था। एक और चश्मदीद का कहना है कि उसने जलते हुए लोगों को हेलिकॉप्टर से बाहर गिरते हुए देखा। हादसा तब हुआ, जब जनरल रावत कुन्नूर में एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद वापस सुलूर लौट रहे थे। हेलिपैड से 10 मिनट के दूरी पर घने जंगलों के बीच हेलिकॉप्टर क्रैश हो गया। शुरूआती जानकारी के मुताबिक हादसे की वजह खराब मौसम बताया जा रहा है। दिल्ली में उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि हादसे की वजह घने जंगल और कम विजिबिलिटी रहे। खराब मौसम के दौरान बादलों में विजिबिलिटी कम होने की वजह से हेलिकॉप्टर को कम ऊंचाई पर उड़ान भरनी पड़ी। लैंडिंग पॉइंट से दूरी कम होने की वजह से भी हेलिकॉप्टर काफी नीचे उड़ान भर रहा था। नीचे घने जंगल थे इसलिए क्रैश लैंडिंग भी फेल हो गई।

पिंपरी चिंचवाड़ पुलिस ने की बड़ी बरामदगी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस उल्टी की कीमत तकरीबन 1 करोड़ 10 लाख रुपए बताई जा रही है। तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जिन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है, उनमें जॉन सुनील साठे (33), अजित हुकुमचंद बागमार (61), मनोज अली(45) हैं। इस मामले में जॉन और अजित को अरेस्ट कर लिया गया है। इस मामले में पुलिस कर्मचारी प्रमोद गर्जे ने एमआईडीसी भोसरी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। पुलिस को मिली जानकारी के मुताबिक, आरोपी अजित और मनोज ने आरोपी जॉन को कूरियर से व्हेल मछली की उल्टी भेजी थी। आरोपी जॉन इस उल्टी को गैरकानूनी तरीके से बाजार में बेचने वाला था। पिंपरी-चिंचवड पुलिस की क्राइम ब्रांच की यूनिट के एक सदस्य को इसकी जानकारी मिल गई थी। पुलिस ने मोशी टोलनाका के पास आरोपियों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया और आरोपी जॉन को पकड़ने में कामयाब हो गई। जॉन के पास से 1 करोड़ 10 लाख रुपए की कीमत की व्हेल मछली की उल्टी बरामद की गई। इस उल्टी का वजन 550 ग्राम है। इस मामले में आगे की जांच पुलिस निरीक्षक वषार्रानी पाटील कर रही हैं।

महाराष्ट्र के एक और मंत्री रडार पर

तनपुरे से हुई इस पूछताछ पर भाजपा नेता किरीट सोमैया ने कहा- अनिल देशमुख के बाद अब अगला नंबर प्राजक्त का हो सकता है। वे भी जल्द सलाखों के पीछे नजर आएंगे। इससे पहले एऊ तनपुरे के चीनी मिल पर छापा भी मार चुकी है। आरोप है कि तनपुरे परिवार ने बैंक का कर्ज चुकाने में नाकाम रहने के बाद नीलाम की गई रामगणेश गडकरी मिल को बाजार मूल्य से भी कम कीमत पर खरीदा था। मिल ने महाराष्ट्र को-आपरेटिव बैंक से कर्ज लिया था। बैंक ने ही कर्ज न चुका पाने के चलते मिल को नीलाम किया था। तनपुरे अहमदनगर के राहुरी से राकांपा के विधायक है। उनके पिता प्रसाद भी सांसद थे। रामगणेश गडकरी मिल को तनपुरे परिवार की प्रसाद शुगर और अलाइड एग्रो प्रोडक्टस नाम की कंपनियों ने बोली लगाकर खरीदा था। जब रामगणेश गडकरी मिल को प्राजक्त की कंपनी ने खरीदा था प्रसाद महाराष्ट्र को-आपरेटिव बैंक के निदेशक थे।

पदमपुर में हेल्पर्स स्क्वाड द्वारा विद्यार्थियों को शूज वितरण किया गया

मुंबई हलचल / संवाददाता

भीलवाड़ा (राजस्थान)। श्रीगंगानगर जिले के पदमपुर कस्बे की हेल्पर्स स्क्वाड की टीम द्वारा राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में विद्यार्थियों को जूते और जुराबें वितरित किये गए। हेल्पर्स स्क्वाड के अध्यक्ष इंद्र तखर ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि हमारी टीम का लक्ष्य हर एक जरूरतमंद की मदद करना है। हेल्पर्स स्क्वाड की टीम काफी समय से इलाके में समाजसेवा के कार्य कर रही हैं, जैसे कि पक्षियों के लिए परिन्दे बांधना हो या फिर कोरोना काल मे राशन किटों का वितरण हो, सर्दियों में जुते जुराबें ओर कंबलों का वितरण हो या विद्यार्थियों को खेल समाग्री आदि वितरण करना हो। समाजसेवा के कार्य निरन्तर हमारी टीम द्वारा किए जा रहे है। कस्बे वासियों द्वारा भी हेल्पर्स स्क्वाड की टीम के द्वारा किए जा रहे समाजसेवा के कार्यो की प्रशंसा की जा रही है। इस अवसर पर इंद्र तखर, पिंदर धौंसी, अमरेंद्र सिंह हेयर, मीनल बलाना, प्रशांत शर्मा, शैंकी शर्मा, जसवीर शेरगिल, अंशु बिलन्दी, केशव राघव सहित विधालय का स्टाफ मौजूद रहा! यह जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार गणेश तनेजा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के जनसंपर्क कार्यक्रम में लोगों का अपार जनसमर्थन मिल रहा

मुंबई हलचल / संवाददाता

भीलवाड़ा (राजस्थान)। पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के कार्यकर्ता जनसंपर्क कार्यक्रम के दौरान पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान चंदन चौहान ने चंदौली जिले में कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क किया! गौरतलब हैं कि पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी व हिस्सेदारी मोर्चा के तहत भारतीय जनता पार्टी से गठबंधन हैं! चंदौली जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर चौहान के नेतृत्व में मुख्य अतिथि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमान चंदन सिंह चौहान रहे, इसके तहत चंदौली में ग्राम स्तर पर कार्यकर्ता जनसंपर्क किया गया। विधानसभा अध्यक्ष प्रभु नाथ चौहान, बबलू सिंह चौहान, रणवीर सिंह चौहान, रणवीर सिंह, डॉक्टर सोमनाथ गौतम, सुनील चौहान, लक्ष्मण कनौजिया सहित सैकड़ों कार्यकर्ता जनसंपर्क के दौरान उपस्थित रहे। पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक चंदन सिंह चौहान एवं राष्ट्रीय सलाहकार डॉक्टर सोमनाथ भारती भी कार्यकर्ता जन संपर्क में उपस्थित रहे। आगामी विधानसभा चुनाव के संदर्भ में पार्टी जनसंपर्क अभियान कर रही हैं, उसी के तहत पार्टी ने चंदौली जिले में जनसंपर्क किया एवं पार्टी का मूल मंत्र कार्यकर्ताओं को दिया। इस अवसर पर लोगों ने उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने का वादा किया। आगामी 2022 के विधानसभा चुनाव में हिस्सेदारी मोर्चा एवं पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के सहयोग से भारतीय जनता पार्टी की पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने को संकल्पित है। राष्ट्रीय अध्यक्ष चन्दन सिंह चौहान ने सभी कार्यकर्ताओं से एवं लोगों से मतदान में बढ़ - चढ़कर बहुमूल्य योगदान देने हेतु आवाहन किया। पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के एवं हिस्सेदारी मोर्चा में भारतीय जनता पार्टी के साथ आने से भारतीय जनता पार्टी के साथ बहुत बड़ा जनाधार एकत्रित हो रहा है, और पृथ्वीराज जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदन सिंह चौहान के नेतृत्व में चौहान समाज का अपार जन समर्थन मिल रहा है। ये जानकारी राष्ट्रीय सचिव द्रविड़ कुमार चौहान व हेमंत ठाकुर ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी है।

स्वस्थ समाज के निर्माण हेतु योग एवं स्वास्थ जांच शिविर का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल ब्यूरो / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। सेवा सदन के मिशन 125 वर्ष स्वस्थ जीवन के तत्वावधान में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। सेवा सदन के महामंत्री चौधरी मंगल सिंह ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि जैसा कि सभी को मालूम है कि सेवा सदन का मुख्य उद्देश्य 125 वर्ष स्वस्थ जीवन स्वस्थ भारत को तन मन धन हर प्रकार से पूर्ण करने में संलग्न है जिस से कि एक स्वस्थ राष्ट्र स्वस्थ समाज संभव हो एवं भारत एक स्वस्थ राष्ट्र की ओर अग्रसर हो उन्होंने कहा कि इसी लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु सेवा सदन आयुर्वेद के द्वारा रोग का पता लगाकर,रोग को जड़ से समाप्त किया जा सकता है उन्होंने बताया कि सेवा सदन में मशीन के सॉफ्टवेयर से नब्ज के द्वारा जांच कर रोग का पता लगा रोग को आयुर्वेदिक दवा द्वारा जड़ से समाप्त किया जाता है इसी दिशा में उन्होंने योग एवं जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि योग एक जीवन दर्शन है योग जीवन की एक अनुशासनात्मक पद्धति नहीं अपितु योग का प्रयोग परिणामों पर आधारित एक ऐसा प्रमाण है जो व्याधि को निर्मूल करता है अतः यह एक संपूर्ण विधा का शरीर रोगों का नहीं बल्कि मानस रोगों का भी चिकित्सा शास्त्र है जो कि आयुर्वेद का एक अंग है आयुर्वेद अनुसार योग एलोपैथी की तरह कोई लाक्षणिक चिकित्सा नहीं अपितु रोगों के मूल कारण को निर्मूल कर हमें भीतर से स्वस्थता प्रदान करता है स्वार्थ,आग्रह अज्ञान एवं अहंकार से ऊपर उठकर योग को हमें एक संपूर्ण विज्ञान की तरह देखना चाहिए योग की पौराणिक मान्यता है कि इसमें अष्ट चक्र जागृत होते हैं एवं प्राणायाम के निरंतर अभ्यास से जन्म जन्मांतर के संचित अशुभ संस्कार व पाप परीक्षीण होते हैं क्रियात्मक योगाभ्यास के आठ प्राणायाम इन्हीं अष्ट चक्रो अथवा आठ सिस्टम को सक्रिय एवं संतुलित बनाते हैं एक एक सिस्टम के असंतुलन से अनेक प्रकार की व्याधियां या विकार उत्पन्न होते हैं लेकिन 400 वर्षो की गुलामी की आत्मग्लानि के दौर से हम कुछ ऐसे गुजरे कि हमें वात, पित्त व कफ की बजाए Anabolism, Catabolism, Metabolism ठीक से समझ आता है। आयुर्वेद अनुसार कहने का तात्पर्य यह है कि आंतरिक सिस्टम में आया किसी भी तरह का असंतुलन ही रोग है जबकि भीतर का संतुलन ही आरोग्य है।

लाखों-करोड़ों लोगों पर योग के प्रत्यक्ष एवं परोक्ष प्रयोग से हमने यह पाया कि मुख्यता आठ प्राणायामों के विधि पूर्वक एवं सुनिश्चित समय एवं संकल्प बद्ध अभ्यास से हमारे आठो सिस्टम पूरी तरह से संतुलित हो जाते हैं परिणामतः हम योग से एक निरोगमय जीवन पाते हैं। साथ ही हम दवा के रूप में जो केमिकल सॉल्ट या हार्मोन बाहर से ले रहे थे धीरे-धीरे उसकी आवश्यकता नहीं रह जाती क्योंकि हम जो बाहर से ले रहे थे वे सारे केमिकल सॉल्ट, या हारमोंस हमारे भीतर से ही संतुलित मात्रा में प्राप्त हो जाते हैं प्राणायाम एवं ध्यान से आध्यात्मिक विकास होने के साथ-साथ मन शांत हो जाएगा, तो समाज,राष्ट्र व विश्व में व्याप्त भय, भ्रम, हिंसा अपराध व भ्रष्टाचार भी टिक जाएगा। साइंस एन्ड सपरिच्युलिटी भौतिकवाद व अध्यात्म बाद से समन्वय से पूर्ण विकास होगा। योग से एवं आयुर्वेद से आत्मधर्म व राष्ट्रधर्म जगेगा। समाज स्वस्थ होगा। आत्मकल्याण व भविष्यकल्याण के पथ पर विश्व आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा योग के साथ कुछ जटिल रोगों में यदि आयुर्वेद का भी संयुक्त प्रयोग होता है तो उपचार का असर अत्यधिक प्रभावी होता है। उन्होंने बताया कि सेवा सदन द्वारा निर्मित गिलोय अमृत एक स्वस्थ जीवन के लिए बेहद प्रभावी ओषधि है , यह किसी भी वायरस के खिलाफ लड़ने में तो कारगर है ही साथ ही इसके सेवन से किसी भी तरह के वायरल बुखार स्वाइन फ्लू, मलेरिया आफ से बचाव करता है, यह आँत्र संबंधी समस्याएं दूर करता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, घबराहट और स्ट्रेस को कम करके आंखों की रोशनी बढ़ाता है। सीने में जकड़न, सांस की तकलीफ में मदद करता है। काले धब्बे, फुन्सिया, और झूरियां, गठिया और पीलिया यकृत को कम करता है। इस अवसर पर तत्वाधान में गाजियाबाद के कई गणमान्य व्यक्ति एवं अतिथि वरिष्ठ समाज सेवी आर एन पांडे,अभिलाष पांडे, प्रमोद मित्तल, ओमप्रकाश यादव आदि को निःशुल्क गिलोय अमृत भेंट करके सम्मानित किया गया। इस मौके पर सेवा सदन के सभी सदस्य गीता चौधरी (प्रभारी) नजमा सैफी, प्रिया डींग, मोनिका खंतवाल, रेनू तोमर, ऋतू अग्रवाल उपस्थित थे।

चीन द्वारा हथियाई गई भारत की भूमि मुक्त कराये सरकार: बीटीएसएस

बीटीएसएस की तीन दिवसीय राष्ट्रीय बैठक का दूसरा दिन संपन्न

अपने भारत की संसद ने अब तक के सबसे महत्वपूर्ण प्रस्तावों में एक प्रस्ताव 14 नवंबर, 1962 पारित किया था। साम्राज्यवादी चीन ने तिब्बत को निगलने के बाद 1962 में भारत पर हमला कर कई हजार वर्ग मील जमीन पर कब्जा जमा लिया। भारतीय संसद ने 14 नवंबर 1962 को सर्वसम्मति से संकल्प प्रस्ताव पारित कर कहा था कि भारत की संसद प्रतिज्ञा करती है कि जब तक चीन से एक -एक इंच जमीन वापस नहीं ले लेते तब तक चैन से नहीं बैठेंगे। इस संकल्प को प्रस्ताव कराने के पीछे का उद्देश्य चीन के कब्जे में मातृभूमि के उस हिस्से को पुनः प्राप्त करना तथा चीन ने भारत के साथ किस तरह विश्वासघात किया था उसे आने वाली पीढी व शासकों को यह याद दिलाना था। लेकिन तब से लेकर अब तक अपने इस संकल्प को संसद भूली बैठी रही। बीटीएसएस अब इसे याद दिलाने निकलेगा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से चल रही भारत तिब्बत समन्वय संघ की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक में आज पारित किये गए पहले प्रस्ताव के क्रम में इस संकल्प को फिर से दोहराया गया और दृढ़संकल्प के साथ इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु कार्य करने बात की गई। भारत तिब्बत समन्वय संघ की बैठक दौरान संघ के जयपुर प्रांत के मुख्य प्रांत सह संयोजक चंपालाल रामावत ने यह प्रस्ताव रखा और काशी प्रान्त के विवेक सोनी ने इसका अनुमोदन किया। उसके बाद अनेक प्रतिभागियों ने अपने सुझाव में कहा कि देश भर में फैले संघ के कार्यकर्ता इसके लिए अपने स्थानीय सांसदों व विधायकों से संपर्क साधेंगे और सरकार पर जन व सामाजिक दबाव डाल कर इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने की मांग करेंगे। संघ के दूसरे दिन आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कार्यक्रम की शुरूआत संघ के गीत, सरस्वती वंदना और परम पावन दलाई लामा की तिब्बती प्रार्थना से हुआ। संघ के पटल पर रखे गए दूसरे प्रस्ताव में यह कहा गया कि देश उन महापुरुषों का सम्मान करने में अग्रणी है जिन्होंने इस राष्ट्र की रक्षा, मानवता की प्रगति व साहित्य-संस्कृति के क्षेत्र में अप्रतिम योगदान किया हो। वर्ष 2011 से 'मानव प्रयास के किसी भी क्षेत्र में किए गए योगदान' को शामिल किए जाने के बाद भारत रत्न जैसा पुरस्कार आज एक

◆ **पांच महत्वपूर्ण प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किये गए**

◆ **कल आखिरी दिन नियुक्तियों सहित महत्वपूर्ण आर्थिक प्रस्ताव होंगे पारित**

नए क्षितिज के साथ समक्ष है। इस क्रम में, भारत की सांस्कृतिक, सामाजिक व राष्ट्रीय सुदृढ़ता की योजना और क्रियान्वयन के लिए राष्ट्र की अंतर-चेतना को जगाने का अतुलनीय भागीरथ योगदान करने वाले प्रोफेसर राजेंद्र सिंह उपाख्य रज्जू भैया, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के चतुर्थ सरसंघचालक रहे और इस भारत तिब्बत समन्वय संघ के आद्य प्रणेता हैं। उनको एवं विश्व शांति, धैर्य व करुणा के प्रतिमान परम पावन दलाई लामा जी को भी भारत रत्न प्रदान किया जाए। संघ की राष्ट्रीय महामन्त्री, महिला विभाग, राजो मालवीय ने यह प्रस्ताव रखा। पटल पर रखे गए तीसरे प्रस्ताव के दौरान भारत तिब्बत समन्वय संघ के मेरठ प्रान्त की प्रान्त कार्यकारिणी यह प्रस्ताव पारित किया गया है कि तिब्बती परिक्षेत्र की प्राकृतिक संपदा और जल संसाधन के संरक्षण व मानव कल्याण के लिए इस क्षेत्र को 'विश्व प्राकृतिक संपदा संरक्षित क्षेत्र' घोषित किया जाए। राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य और प्रख्यात कथावाचक अरविन्द भाई ओझा द्वारा यह प्रस्ताव रखा गया। वही हरियाणा प्रांत के महामन्त्री फकीर चंद चौहान द्वारा यह चौथा प्रस्ताव रखा गया कि भारत सरकार कैलाश मानसरोवर के दर्शन के लिए जाने वाले तीर्थ यात्रियों की संख्या में वृद्धि कराए जाने का प्रयास किया जाए तथा देश में कुछ राज्य सरकारें अपने-अपने राज्य से इस यात्रा में शामिल हुए तीर्थयात्रियों को उनके खर्चे की भरपाई अलग-अलग अंशदान के रूप में करती हैं। इसके लिए भारत सरकार यह प्रयास करें कि या तो वह सभी राज्य सरकारों को निर्देशित करें कि प्रत्येक राज्य सरकार एक समान रूप से तीर्थयात्रियों के व्यय की प्रतिपूर्ति करें या फिर स्वयं भारत सरकार अपने स्तर से पूरी प्रतिपूर्ति की जाये। इसके बाद संघ की बृज प्रांत की माला गुप्ता द्वारा तिब्बत में महिलाओ पर हो रहे घृणित अत्याचारों तथा अमानवीय यातनाओं की भर्त्सना करते हुए करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्व में इसकी रोकथाम के लिए अंतराष्ट्रीय समिति का गठन किये जाने का पांचवा महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखा गया। कार्यक्रम के अंत में केंद्रीय परामर्शदात्री समिति सदस्य और दून विश्विद्यालय की कुलपति प्रोफेसर सुरेखा डंगवाल ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में पूरी दुनिया के समक्ष चीन की विस्तारवादी नीतियों से उत्पन्न खतरे और कोरोना जैसी महामारी को फैलाने में चीन के षड्यंत्र को उजागर किया। राष्ट्रीय महामंत्री विजय मान प्रस्ताव प्रकिया को निर्देशित किया वहीं कानपुर प्रान्त की शालिनी जैन कपूर ने कार्यक्रम का संचालन किया।

विशेष कोविड अस्पतालों में ओमिक्रॉन संक्रमितों को अलग रखकर करें इलाज, राज्यों को निर्देश

नई दिल्ली। देश के कुछ राज्यों में कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन के मामले सामने आने के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य सतर्कतापूर्वक उन पर नजर रखा है। मंत्रालय ने बुधवार को सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखकर कहा कि नए वैरिएंट से संक्रमितों का इलाज विशेष कोविड अस्पतालों में ही किया आए और वहां उन्हें पृथक आइसोलेशन एरिया में रखा जाए। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण द्वारा लिखे गए इस पत्र में राज्यों से कहा गया है कि इस बात के इंतजाम किए जाएं कि कोरोना व ओमिक्रॉन का क्रॉस इंफेक्शन न फैले। इस बात के भी पर्याप्त प्रबंध किए जाएं कि स्वास्थ्यकर्मियों व कार्यकर्ताओं तथा अन्य रोगियों में संक्रमण न फैले। भूषण ने राज्यों को सलाह दी है कि हालात की नियमित रूप से समीक्षा करें और यह सुनिश्चित करें अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के पॉजिटिव मामलों और उनके संपर्क में आए लोगों के सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए तत्काल इंसाकॉग लैब्स को भेजे जाएं। स्वास्थ्य सचिव ने यह भी कहा है कि संक्रमण को और फैलने से रोकने के लिए राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को मिशन मोड में काम करते हुए पॉजिटिव मामलों के प्राइमरी व सेकंडरी कांटेक्ट्स की तुरंत जांच की जाए।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कलम हिन्दुस्तानी पत्रकार स्वालेहीन अशरफी हुए सजग प्रहरी अवार्ड 2021 से सम्मानित

रिपोर्टर/अरमान उलहक

सम्भल। सम्भल के एक शिक्षण संस्थान में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता समिति द्वारा अलंकरण सम्मान समारोह का आयोजन किया गया शिक्षण संस्थान में आयोजित समारोह में संस्था के संस्थापक अध्यक्ष हरद्वारी लाल गौतम,मौ. तनवीर, अवरिष्ठब्दुल रहमान एड., चौधरी रविराज चाहल एडवोकेट व सपा नेता सईद अख्तर इसराइली ने पत्रकारिता के क्षेत्र में निष्पक्ष और निडर होकर जनपद सम्भल में ईमानदारी शालीनता के साथ पत्रकारिता का कार्य करने पर राष्ट्रीय समाचार पत्र हिन्दी दैनिक कलम हिन्दुस्तानी के जिला प्रभारी वरिष्ठ पत्रकार श्री स्वालेहीन अशरफी को सम्मान पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सजग प्रहरी आवर्ड 2021से सम्मानित किया गया।

संस्था के अध्यक्ष हरद्वारी लाल गौतम ने बताया कि उत्तर प्रदेश में निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले दस हिन्दी समाचारपत्रों के जिला प्रभारी का चयन वर्ष 2021 के सजग प्रहरी सम्मान के लिए किया गया था। इसमें राष्ट्रीय समाचरपत्र दैनिक कलम हिन्दुस्तानी समाचार पत्र के जिला प्रभारी स्वालेहीन अशरफी ने पत्रकारिता के क्षेत्र में निर्स्वाथ भावना ईमानदारी निष्पक्ष रूप से पत्रकारिता करके अपनी जनपद सम्भल में एक अलग पहचान बनायी है जोकि सराहनीय कार्य है। कलम हिन्दुस्तानी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र ने समाज में फैली बुराईयों को दूर करने तथा सामाजिक गतिविधियों में अधिकाधिक महत्व देकर प्रमुखता के साथ प्रकाशित करके अपने दायित्वों का निर्वहन जिम्मेदारी के साथ निभाया है। इसके लिए कलम हिन्दुस्तानी समाचार पत्र की पूरी टीम बधाई की पात्र है। प्रदेश महासचिव कुसुम ने कहा कि समाचार पत्र समाज का आईना होता है जो समाज में होने वाली गतिविधियों को प्रमुखता के साथ प्रकाशित करते हैं।सवालेहीन अशरफी जैसे ही कुछ पत्रकार ऐसे होते हैं जो अपने कार्य से कभी पीछे नही हटते हैं इनकी जितनी प्रशंसा की जाये कम है श्री स्वालेहीन अशरफी के सम्मानित होने से परिवारिक सदस्यों और दोस्तों में खुशी का माहौल है।

जमीअत उलमा बीकानेर की इंतिखाबी(चुनावी) सभा का आयोजन

मौलाना मोहम्मद इस्माईल साहब अध्यक्ष और मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी महासचिव

संवाददाता/ सैय्यद अलताफ हुसैन

बीकानेर। बीकानेर के संजोग भवन में मौलाना मोहम्मद इस्माईल साहब की अध्यक्षता में और जमीअत उलमा राजस्थान के उपाध्यक्ष मुफ़्ती हबीबुल्लाह नोमानी साहब की निगरानी में मजलिसे मुन्तजिमा (निदेशक मंडल)की सभा का आयोजन हुआ,जिसमे 2021-22 कार्यकाल के लिए सभी के इत्तेफाक से मौलाना मोहम्मद इस्माईल साहब को अध्यक्ष और महासचिव के पद के लिए मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी को चुना गया,जमीअत उलमा बीकानेर के महासचिव मौलाना मोहम्मद इरशाद कासमी के मुताबिक,मौलाना ताज मोहम्मद, मौलाना मामून रशीद,मौलाना अनीस और हाफिज इस्लामुद्दीन साहब को उपाध्यक्ष,मुफ़्ती सद्दाम हुसैन कासमी,हाफिज अजमल हुसैन,मोहम्मद राशिद कोहरी, सैयद इमरान और रमजान ङङ को सचिव और कोषाध्यक्ष पद के लिए अतीकुर्रहमान गौरी को चुना गया।कासमी के मुताबिक हम पहले भी बगैर किसी मजहबी भेदभाव के इंसानियत की खिदमत करते आये हैं आईन्दा भी इसी हौसले से काम करेंगे, इस मौके पर हाफिज अब्दुल जलील साहब,मौलाना अ.रहीम कासमी,हाफिज इम्दादुल्लाह बासित,मौलाना मुनीर रशीदी,मौलाना बशीर लतीफी,कारी शाहिद रशीदी,हाफिज अ.रहमान शाही, शराफत काका,अतीकुर्रहमान राठौड़,हाफिज अ.सलाम,हाफिज अ. रहमान,अबरार रोशन, आशिक कुटवाल,हाफिज इस्माईल महाजन,कारी आबिद, अमीन राठौड़, हाफिज आशिक और सैयद शोएब आदि बहुत से गणमान्य मौजूद थे।

पत्रकार से अभद्रता करने वाले बेसिक शिक्षा अधिकारी सिद्धार्थनगर नियम विरुद्ध शिक्षकों से करवा रहे हैं प्रदर्शन

अभद्रता करने वाले बी एस ए के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों पर भी कार्यवाही की जानी चाहिए-राशिद अली

संवाददाता /सैय्यद अलताफ हुसैन

लखनऊ। जनपद सिद्धार्थनगर में एक पत्रकार ने कवरेज के दौरान शिक्षकों की अनुपस्थिति को लेकर बेशिक शिक्षा अधिकारी को फोन कर मामले का संज्ञान देने का प्रयास किया तो शिकायत सुनने की बजाए बी एस ए ने उल्टे ही पत्रकार से साथ में अभद्र भाषा का प्रयोग कर दिया इस पर पत्रकार आंदोलित हुए तो उसके जवाब में बी एस ए ने शिक्षकों से प्रदर्शन करवा दिया जो नियम के विपरीत है बी एस ए पर कार्यवाही होनी ही चाहिए साथ ही उनके समर्थन में प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों पर कार्यवाही होनी चाहिए उक्त विचार यहां प्रदेश मुख्यालय पर इंडियन रिपोर्ट्स एसोसिएशन अंतरराष्ट्रीय के प्रदेश अध्यक्ष राशिद अली ने कही श्री अली ने कहा कि जिस प्रकार से जनपद सिद्धार्थनगर में पत्रकार उत्पीड़न पर पत्रकार एकजुट हुए सभी बधाई के पात्र हैं ऐसी ही एकता पत्रकारों की बनी रहेगी तो पत्रकारों के उत्पीड़न में कमी आ सकती है प्रदेश अध्यक्ष राशिद अली ने सिद्धार्थनगर जिलाधिकारी से सवाल करते हुए कहा कि बेशिक शिक्षा अधिकारी के समर्थन में शिक्षकों का प्रदर्शन किया नियम अनुसार है किया प्रसासन इसकी इजाजत देता है अगर नहीं तो जितने भी शिक्षक उक्त प्रदर्शन में शामिल रही है उन सभी के विरुद्ध कार्यवाही की जानी चाहिए बेशिक शिक्षा अधिकारी अपने निजी फायदे के लिए शिक्षकों का इस्तिमाल कर रहे हैं इस पर भी बेशिक शिक्षा अधिकारी पर कार्यवाही की जानी चाहिए उन्होंने कहा कि सिद्धार्थनगर के जिलाधिकारी फोन पर नही आ रहे हैं इसको किया समझा जाए ऐसी दशा में किया पत्रकार को न्याय मिल सकता है श्री अली ने कहा कि जब उन्होंने जिलाधिकारी को फोन किया तो कई बार बेल बजती रही मगर उनके द्वारा फोन नही उठाया गया जब बस्ती मंडल के आयुक्त को फोन किया तो उनके किसी स्टॉप ने फोन रिसीव किया और पूछने पर बोले कि हम कमिश्नर बोल रहे हैं जब इस प्रकार से प्रसासनिक अधिकारी कार्य करेंगे तो पत्रकार उत्पीड़न पर किस प्रकार से रोक लगेगी वहीं दूसरी तरफ दिल्ली से दूरभाष पर इंडियन रिपोर्ट्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहाँगीर ने हमारे प्रतिनिधि से वार्ता में बताया कि देश के किसी भी पत्रकार का उत्पीड़न हम बर्दाश्त नहीं करेंगे उत्तर प्रदेश अध्यक्ष द्वारा प्रकरण की जानकारी दी गई है श्री जहाँगीर ने कहा कि सबसे ज्यादा पत्रकार उत्पीड़न का मामला उत्तर प्रदेश से ही संज्ञान में आता है जो बहुत सोचनीय विषय है आखिर उत्तर प्रदेश में पत्रकारों का उत्पीड़न क्यों किया जा रहा है किया पत्रकार द्वारा सच्चाई लिखना गुनाह है जो सच्चाई उजागर करने पर इस प्रकार से पत्रकारों का उत्पीड़न अधिकारियों द्वारा किया जाता है राष्ट्रीय महासचिव ने कहा कि संगठन इस संबंध में देश के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखेगा उन्होंने कहा कि देश मे अगर कहीं भी पत्रकार के उत्पीड़न की जानकारी प्राप्त होगी तो हमारा संगठन उसका विरोध जरूर करेगा उन्होंने दोहराते हुए कहा कि अब देश मे पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की सख्त जरूरत है क्योंकि जिस प्रकार से पत्रकार उत्पीड़न बढ़ रहे हैं वह गंभीर विषय है ।

सर्दियों में बेजान और रूखी स्किन को कहें अलविदा

मॉइश्चराइज करने के लिए घर में बनाएं बॉडी लोशन

सर्दियों का मौसम अपने साथ लेकर आता है बेजान और रूखी स्किन। इन परेशानियों का सामना अक्सर महिलाएं करती हैं। इस मौसम में स्किन एलर्जी से भी काफी सारी महिलाएं परेशान होती हैं। स्किन के साथ-साथ बालों की परेशानी भी बढ़ती रहती है। इस मौसम में रूखे बाल, डैंड्रफ जैसी समस्याएं होने लगती हैं। इसलिए सर्दियों में महिलाओं को कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदने की जरूरत होती है। इन प्रोडक्ट में सबसे ज्यादा जरूरी है लोशन। सर्दियों में बॉडी लोशन स्किन को खूबसूरत, सॉफ्ट और स्मूद बनाने के लिए सबसे जरूरी होते हैं। ये स्किन को अच्छे से मॉइश्चराइज करता है और साथ ही पोषण भी देता है। लेकिन कई महिलाएं बाहर के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने से बचती हैं। ऐसे में आज हम बता रहें हैं मॉइश्चराइजर घर मे बनाने का तरीका।

पहला तरीका

नारियल तेल बालों और स्किन के लिए काफी अच्छा होता है। ज्यादातर लोग अपनी स्किन को हेल्दी बनाए रखने के लिए नारियल के तेल का इस्तेमाल करते हैं, क्योंकि इसमें ऐसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो स्किन को हाइड्रेट करने का काम करते हैं। वैसे तो कई लोग नारियल के तेल को डाइरेक्ट अप्लाई कर लेते हैं, लेकिन अगर इसमें कुछ चीजों को मिला लिया जाए तो ये लाजवाब तरीके से काम करता है। इसे बनाने के लिए आप नारियल का तेल, नींबू और विटामिन ई के कैप्सूल को एक तरफ करें। फिर एक कटोरी में नारियल तेल को एक कटोरी में निकालें और फिर इसे गुनगुना गर्म करें। फिर इसमें विटामिन ई के कैप्सूल को पिन कर तेल निकालें और मिक्स करें। अब इन दोनों चीजों को आप अच्छी तरह से मिला लें। फिर उसमें नींबू का रस डाल दें। अगर लोशन में खुशबू चाहती हैं तो इसमें कुछ बूंदे एसेंशियल ऑयल की मिला दें। बॉडी लोशन तैयार है इसे जार में या फिर शीशे की बोतल में डाल कर रखें। इस लोशन को इस्तेमाल करते समय सर्कुलर मोशन में मसाज करें।

दूसरा तरीका

बादाम का तेल स्किन की हेल्थ के सिए साथ-साथ खूबसूरती को बनाए रखने में भी बहुत कारगर होता है। साथ ही इसमें, फाइबर, विटामिन्स, आयरन जैसे तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं, जो स्किन के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होते हैं। इसका लोशन बनाने के लिए आपको बादाम का तेल, ऐलोवेरा जेल, विटामिन ई ऑयल और एसेंशियल ऑयल की जरूरत होगी। इसके लिए सबसे पहले बादाम के तेल को हल्का गर्म करें। फिर इसमें विटामिन ई ऑयल मिलाएं। इन दोनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करें। फिर इसमें एलोवेरा जेल मिला लें। बॉडी लोशन को सॉफ्ट बनाने के लिए अच्छी तरह से ब्लेंड करें। जब स्मूद पेस्ट तैयार हो जाए तो इसमें एसेंशियल ऑयल की बूंदो कों मिक्स करें। बॉडी लोशन तैयार है। ध्यान रखें कि इनमें से किसी भी लोशन को इस्तेमाल करने से पहले स्किन को साफ करें।

शोध में दावा

पसंदीदा संगीत सुनने से कम होगा अल्जाइमर का असर

पसंदीदा संगीत सुनने से अल्जाइमर के रोगियों में सुधार देखा गया है। एक शोध में इसका खुलासा हुआ है। टोरंटो विश्वविद्यालय (यू ऑफ टी) और यूनिटी हेल्थ टोरंटो के शोधकर्ताओं ने यह दावा किया है। शोध को जर्नल ऑफ अल्जाइमर डिजीज में प्रकाशित किया गया है। अल्जाइमर के रोगियों को इसका काफी फायदा होगा।

शोधकर्ताओं ने कहा कि आमतौर पर अल्जाइमर रोगियों में सकारात्मक मस्तिष्क परिवर्तन दिखाना बहुत मुश्किल होता है। हालांकि यह अभी तक का उत्साहजनक परिणाम है। संगीत सुनने के बाद रोगियों में सुधार हुआ है। इसमें भी पसंदीदा संगीत सुनने से मरीजों में और सुधार देखा गया। उन्होंने यह भी कहा कि डिमेंशिया वाले लोगों के लिए संगीत के चिकित्सीय प्रयोग शोध के द्वार खोलते हैं।

डेमेंशिया से ग्रसित मरीजों में यह देखा गया है कि संगीत-आधारित हस्तक्षेपों से उनकी क्षमता में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही न्यूरो साइकोलॉजिकल परीक्षणों में भी उनके स्मृति प्रदर्शन में वृद्धि के साथ मस्तिष्क के तंत्रिका मार्गों में परिवर्तन पाया गया। डॉ. माइकल थॉट शोध के वरिष्ठ लेखक और कनाडा में संगीत और स्वास्थ्य विज्ञान अनुसंधान सहयोग के निदेशक ने बताया कि आगे चलकर इसका और फायदा होगा।

अध्ययन में 14 प्रतिभागियों को शामिल किया

शोधकर्ताओं की टीम ने अध्ययन के लिए 14 प्रतिभागियों को शामिल किया। इनमें आठ गैर-संगीतकार और छह संगीतकार थे। इन सभी को तीन सप्ताह तक दिन में एक बार संगीत सुनाया गया। प्रतिभागियों को संगीत सुनने से पहले और बाद में एमआरआई से गुजरना पड़ा। उन्हें पुराने और नए संगीत सुनाए गए। जब प्रतिभागियों ने नए गाने सुने तो उनके मस्तिष्क में कुछ गतिविधियां हुईं। ये गतिविधियां सुनने के अनुभव पर केंद्रित थी। हालांकि जब प्रतिभागियों को पुराने या पसंदीदा गाने सुनाए गए तो उनके प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स में महत्वपूर्ण सक्रियता दर्ज की गई। यही परिणाम शोधकर्ताओं के लिए उत्साहजनक साबित हुआ।

सूक्ष्म, लेकिन विशिष्ट अंतर दिखा

शोधकर्ताओं ने गैर-संगीतकारों के सापेक्ष संगीतकारों में संगीत सुनने से मस्तिष्क में सूक्ष्म, लेकिन विशिष्ट परिवर्तन देखा गया। हालांकि इन निष्कर्षों को सत्यापित करने के लिए आगे और अध्ययन की आवश्यकता है। हालांकि प्रमुखता के साथ बार-बार संगीत के संपर्क में आने से सभी प्रतिभागियों में सुधार देखा गया।

तंत्रिका कनेक्टिविटी पर असर

डॉ. थॉट ने बताया कि हमारे पास मस्तिष्क से संबंधित नए सुबूत हैं। उन्होंने बताया कि संगीत तंत्रिका कनेक्टिविटी को उन तरीकों से उत्तेजित करता है, जो उच्च स्तर के कामकाज को बनाए रखने में मदद करते हैं। शोधकर्ताओं की टीम ने अध्ययन में प्रतिभागियों के तंत्रिका मार्गों में संरचनात्मक और कार्यात्मक परिवर्तनों की सूचना दी। खासकर प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स में (मस्तिष्क का नियंत्रण केंद्र), जहां गहरी संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं होती हैं। डॉ. थॉट शोध के वरिष्ठ लेखक और कनाडा में संगीत और स्वास्थ्य विज्ञान अनुसंधान सहयोग के निदेशक हैं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जॉब की तलाश...

फिल्म इंडस्ट्री में 25 साल बिताने के बाद अरशद वारसी ने अपने करियर को लेकर हैरान कर देने वाली कही है। उनका मानना है कि बॉलीवुड में 25 साल बिताने के बाद भी वह आज भी काम की तलाश में हैं। अरशद वारसी ने कहा – इस दौरान उन्होंने अपनी निजी जिंदगी से लेकर फिल्मी करियर को लेकर ढेर सारी बातें कीं। बॉलीवुड में 25 साल का सफर पूरा करने पर अरशद वारसी ने कहा है कि उन्हें अभी तक विश्वास नहीं होता है कि वह इतने सालों तक फिल्म इंडस्ट्री में टिक पाएंगे। अरशद वारसी ने कहा, मैं हैरान और खुश हूं कि मैंने 25 साल पूरे कर लिए हैं। अभिनेता ने आगे कहा, 'मुझे लगता नहीं था कि मैं 25 साल तक टिक पाउंगा इधर। कितना डर लगता था जब मैं अपने सभी साथियों को एक के बाद एक गायब होते देखता था। मुझे हमेशा लगता था कि अब अगला नंबर मेरा है। मैं अपना डेब्यू करते वक्त डर गया था क्योंकि मैंने पहले कभी अभिनय नहीं किया था। मैं फिल्म करने से बहुत डरता था। मैंने पूरी कोशिश की कि मैं कोई फिल्म न करूं। मैं उन दुर्लभ नस्लों में से एक हूं जिन्होंने फिल्म से बाहर निकलने की पूरी कोशिश की। क्योंकि मैं असफलता से बहुत डरता था।' हर कोई कहता था कि 'ये बेचारा हीरो बनने आया था इधर'। बुरे दौर से गुजरने से लेकर बिना रुके काम करने तक, मैंने यहां सब देखा है। मैं उन लोगों का धन्यवाद करता हूं जिन्होंने मुझपर विशवास बनाए रखा। लगता है आगे बहुत कुछ होने वाला है, 25 साल से इंडस्ट्री में होने के बाद भी मैं आज नौकरी की तलाश में हूं। जैसे जैसे लोग मुझे एक अभिनेता के रूप में जानने लग गए मुझे खुशी होती गई। और अब मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैं अपना काम जानता हूं। अब मुझे पूरा विशवास हैं अब ऐसा नहीं सोचता की तुक्का लग गया। अब लगता है मेरे अंदर टेलेंट है।

वरुण धवन की वाइफ नताशा दलाल करने जा रही हैं ओटीटी डेब्यू

युवाओं के चहेते एक्टर वरुण धवन की वाइफ नताशा दलाल बहुत जल्द ही अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रही है। जैसे ही यह खबर समाने आई, लोग यह सोचने लगें कि क्या नताशा अपने पति वरुण की तरह एक्टिंग करेंगी? बता दें कि नताशा दलाल एक फैशन शो में नजर आने वाली हैं। वो एक नामी फैशन डिजाइन हैं। इस फैशन शो में उनका एक अलग अंदाज देखने को मिलेगा। नताशा फैशन डिजाइनिंग को लेकर हमेशा से ही पैशनेट रही हैं। लिहाजा, अब वो दुनिया के सामने अपने फैशन डिजाइनिंग के हुनर को दिखाने जा रही हैं। वह बहुत जल्द एक फैशन आधारित शो में दिखाई देगी। नताशा पेशे से एक फैशन डिजाइनर हैं। वह ओटीटी पर शो 'से यस टू द ड्रेस इंडिया' से डेब्यू करेंगी। नताशा इस शो के दौरान एक दुल्हन के आउटफिट को डिजाइन करती दिखाई देंगी। इसके साथ ही नताशा पहली बार किसी रियलिटी शो में अपना वेडिंग कलेक्शन भी शोकेस करेंगी। यह शो डिस्कवरी+ पर प्रसारित होगा। नताशा दलाल ने अपने ओटीटी डेब्यू के बारे में बात करते हुए एक इंटरव्यू में कहा– मेरे लिए डिजाइनिंग हमेशा से एक जुनून रहा है, और मेरे ओटीटी डेब्यू के लिए इससे बेहतर मौका नहीं हो सकता था। 'से यस टू द ड्रेस इंडिया' फैशन की दुनिया में सराहा जाने वाला शो है और इसका हिस्सा बनना एक अद्भुत अनुभव है। मैं इस शो का हिस्सा बनने के लिए उत्साहित हूं क्योंकि यह हर किसी को इस बात की एक झलक देने का प्रबंधन करता है कि पोशाक के लिए हां कहने से ठीक पहले एक होने वाली दुल्हन कैसा महसूस करती है!

आलिया –रणवीर ने लिया फैसला?

रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अपनी अपकमिंग फिल्म 'रॉकी और रॉनी की प्रेम कहानी' के लिए दिल्ली में शूटिंग कर रहे हैं। करण जौहर लंबे समय बाद इस फिल्म से निर्देशन में वापसी कर रहे हैं। रणवीर और आलिया की जोड़ी इससे पहले भी 'गली बॉय' में धमाल मचा चुकी है। ये फिल्म भी एक लवस्टोरी है लेकिन इस बार दर्शकों को रणवीर और आलिया के बीच कोई इंटेस रोमांटिक सीन देखने को नहीं मिलेगा। रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर और आलिया की फिल्म 'रॉकी और रॉनी की प्रेम कहानी' में किसिंग सीन देने से हिचकिचा रहे हैं। इसका फैसला रणवीर और आलिया ने खुद लिया है। रणवीर की शादी दीपिका पादुकोण से हुई है जिसकी वजह से वो किसिंग सीन करने में कंफर्टेबल नहीं है। वहीं, आलिया भट्ट भी रणबीर कपूर को डेट कर रही हैं और बहुत जल्द उनसे शादी करने वाली है। लोगों के मन में सवाल आया कि आखिर ऐसा क्या हो गया कि ये फैसला लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक, कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों ने ये फैसला अपने पार्टनर्स को लेकर लिया है। आलिया और रणबीर कपूर जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। वहीं, दूसरी तरफ रणवीर सिंह भी दीपिका पादुकोण के कारण पर्दे पर रोमांस करने में असहज हैं।